
स्टीकर मुफ्त
दौलत का जहर
मनोज
कॉमिक्स
संख्या 901 मूल्य 7.00
थ्रिल, एक्शन, एडवेंचर
Sagar Rana & Shiv's Scan
SAGAR RANA & SHIV's Scan

मनोज कॉमिक्स के

नये सैट के कॉमिक्स

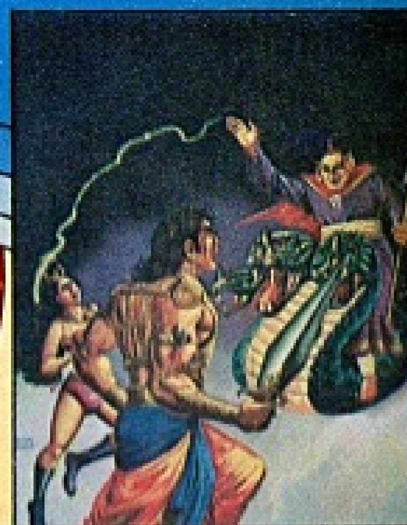
इच्छाधारी राम	(राम-रहीम)	एक मैग्नेट स्टीकर मुफ्त
हवलदार बहादुर और साठ लाख का बकरा		एक मैग्नेट स्टीकर मुफ्त
अंकल चार्ली और हीमा हलाकू	(अंकल चार्ली)	एक स्टीकर मुफ्त
मौत की शहनाई	(भूत-प्रेत, तंत्र-मंत्र)	एक स्टीकर मुफ्त
दौलत का जहर	(थ्रिल-एक्शन-एडवेंचर)	एक स्टीकर मुफ्त
हत्यारी राजमाता	(जादुई-विचित्र लोककथाएं)	एक स्टीकर मुफ्त

आगामी सैट

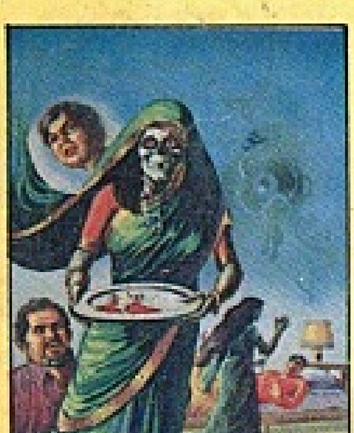


महाबली शेरा
कंकाला जादूगरनी

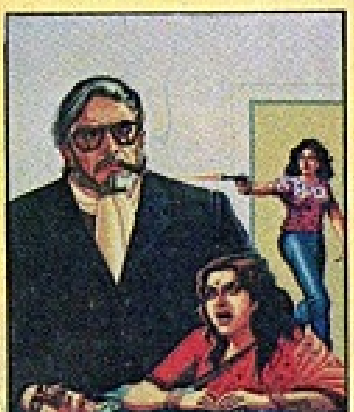
दोनों के साथ एक-एक
मैग्नेट स्टीकर
फ्री



त्रिकालदेव
गजालू का चक्रव्यूह



भूत-प्रेत, तंत्र-मंत्र
आंखें



थ्रिल-एक्शन-एडवेंचर
विधवा का इंतकाम



शैतान का अपहरण



हवलदार बहादुर और
लालू खेत में

चारों के साथ एक-एक स्टीकर मुफ्त

वितरक : राजा सेल्स कॉर्पोरेशन, 25/128 शक्तिनगर, दिल्ली-110 007
प्रकाशक : मनोज पॉकेट बुक्स, 1584 दरीबा कलां, दिल्ली-110 006

दौलत का जहर



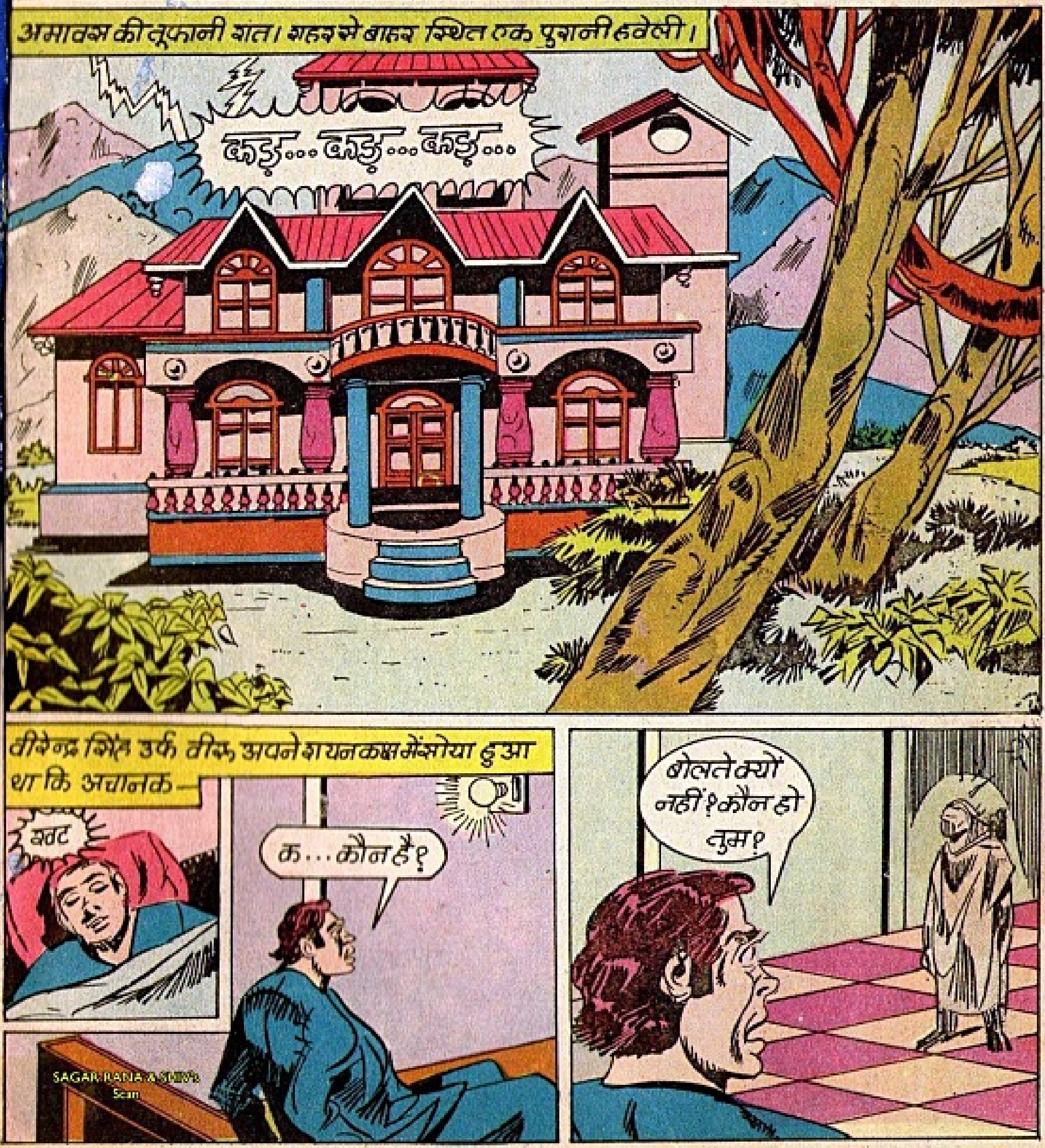
...लचंद्र मांडकें
मनोज कॉमिक्स
का सुपर सैट
जिसमें आप पायेंगे
1. सुपर एक्शन
2. सुपर आर्ट वर्क
3. सुपर स्टोरी
4. सुपर हीरो
और साथ में सुपर गिफ्ट


शेरा
का
इंसाफ
महाबली
शेरा
और

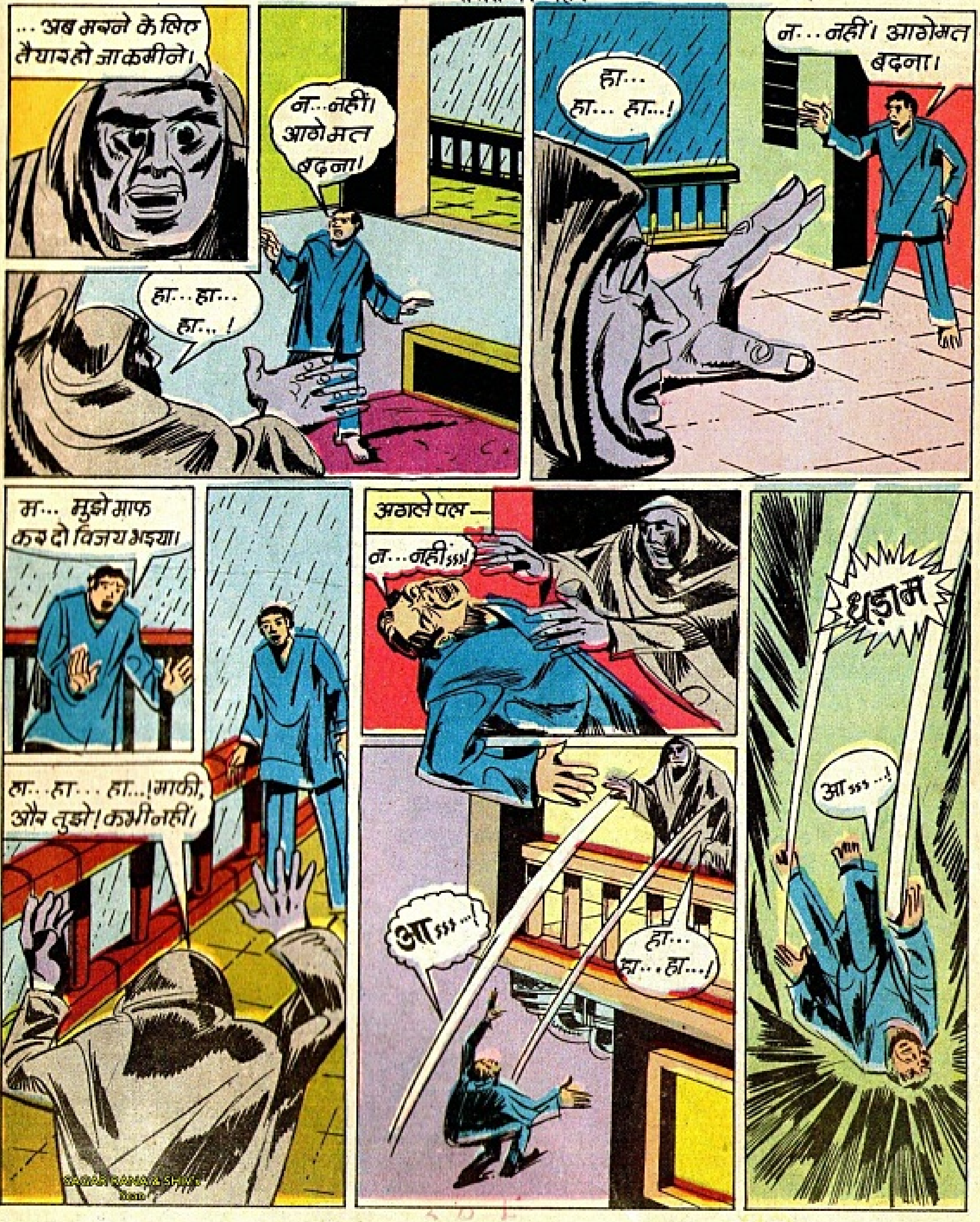

तूफान
सुपर
तूफान
और
मरकरी
मैन

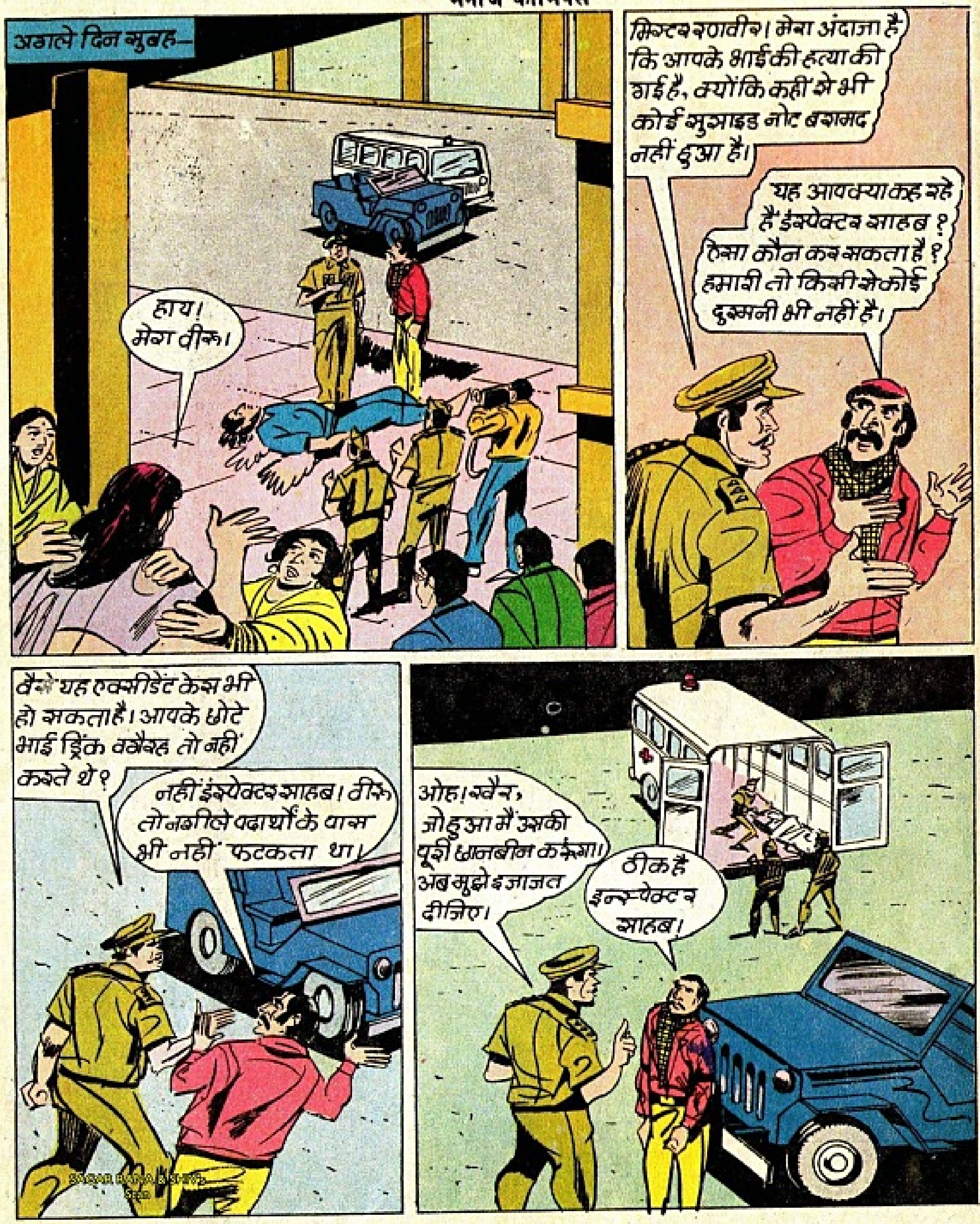
दौलत का जहर

कथानक :- नाज़रा खान
चित्रांकन :- भालचंद्र मांडके

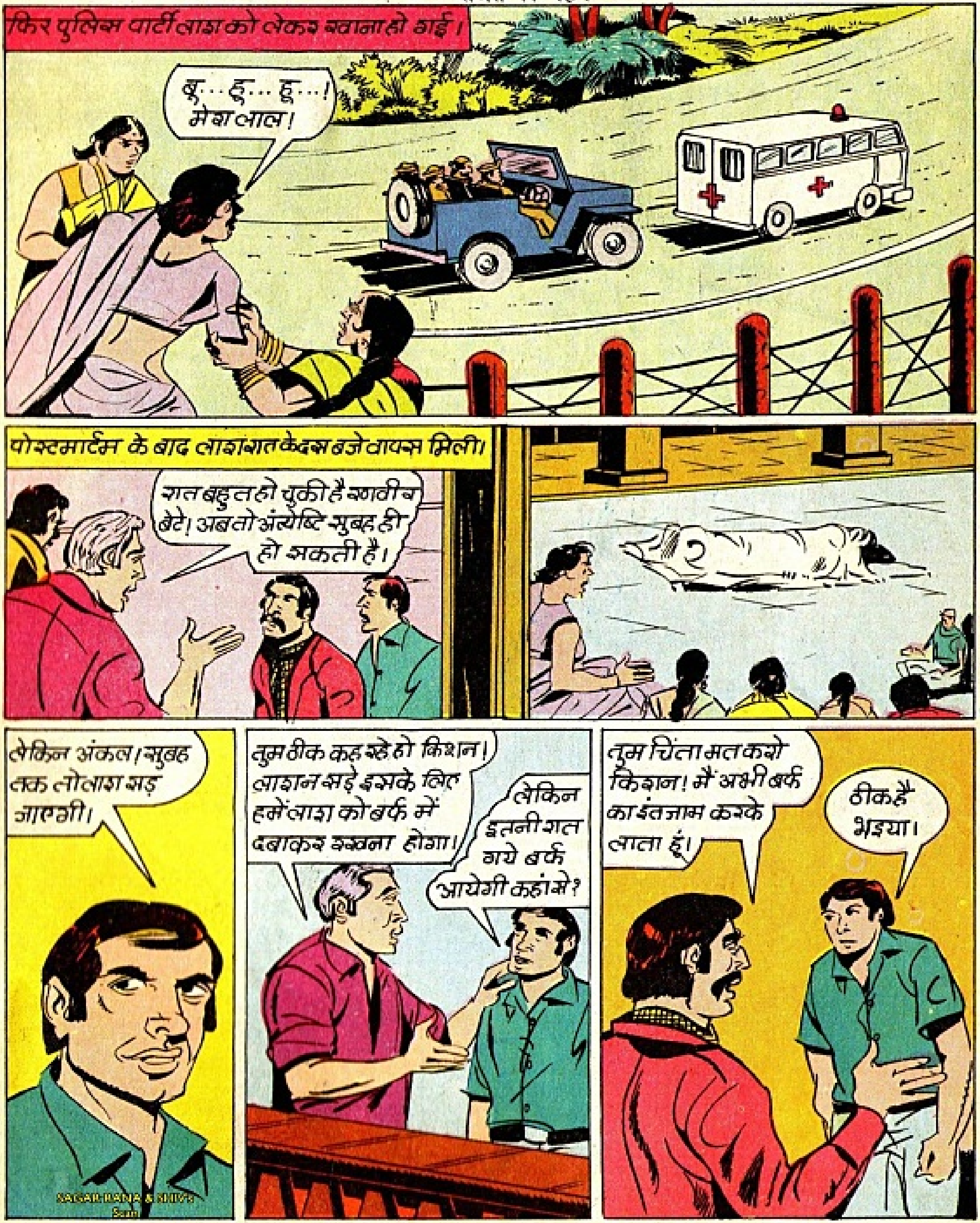



तभी –
खट
आ...ई... ई...!
क...कौन हो तुम?
मुझे पहचाना नहीं वीरू। कोशिश करो, शायद पहचान जाओ।
व...विजय!
न... नहीं; तुम विजय नहीं हो सकते।
हां, मैं तुम्हारा विजय भइया ही हूं।
तुम ठीक कह रहे हो वीरू। मैं विजय नहीं हूं। विजय को तो तुम लोगों ने मौत के घाट उतार दिया था। यह तो मेरी आत्मा है।
अ... आत्मा!
हां। और मुझे तब तक शांति नहीं मिलेगी, जब तक मैं तुम सबको मौत की नींद न सुला दूं...
SAGAR RANA & SHIVA Scan


...अब मरने के लिए तैयार हो जा कमीने।
न...नहीं। आगे मत बढ़ना!
हा...हा...हा...!
हा...हा...हा...!
न...नहीं। आगे मत बढ़ना।
म... मुझे माफ कर दो विजय भइया।
हा...हा...हा...! माफी, और तुझे! कभी नहीं।
अगले पल —
न...नहीं ऽऽऽ!
आऽऽऽ...!
हा...हा...हा...!
धड़ाम
आऽऽऽ...!



अगले दिन सुबह—
हाय! मेरा वीरू।
मिस्टर रणवीर! मेरा अंदाजा है कि आपके भाई की हत्या की गई है, क्योंकि कहीं से भी कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।
यह आप क्या कह रहे हैं इंस्पेक्टर साहब? ऐसा कौन कर सकता है? हमारी तो किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं है।
वैसे यह एक्सीडेंट केस भी हो सकता है। आपके छोटे भाई ड्रिंक वगैरह तो नहीं करते थे?
नहीं इंस्पेक्टर साहब। वीरू तो नशीले पदार्थों के पास भी नहीं फटकता था।
ओह! खैर, जो हुआ मैं उसकी पूरी छानबीन करूंगा। अब मुझे इजाजत दीजिए।
ठीक है इन्स्पेक्टर साहब।


फिर पुलिस पार्टी लाश को लेकर रवाना हो गई।
बू...हू...हू...! मेरा लाल!
पोस्टमार्टम के बाद लाश रात के दस बजे वापस मिली।
रात बहुत हो चुकी है रणवीर बेटे। अब तो अंत्येष्टि सुबह ही हो सकती है।
लेकिन अंकल। सुबह तक तो लाश सड़ जाएगी।
तुम ठीक कह रहे हो किशन। लाश न सड़े इसके लिए हमें लाश को बर्फ में दबाकर रखना होगा।
लेकिन इतनी रात गये बर्फ आयेगी कहां से?
तुम चिंता मत करो किशन! मैं अभी बर्फ का इंतजाम करके लाता हूं।
ठीक है भइया।
SAGAR RANA & SHIV's Scan


हू... हू... हू... !हाय ! मेरा लाल!
सब्र करो मां। भगवान् को शायद यही मंजूर था।
मुझे एक बार अपने लाल का चेहरा तो देख लेने दो।
मां...!
!!!
???
मेरे बच्चे!
तभी—
???
आ... ई... ई...!
???
क्या हुआ मां?


तभी—
हा... हा... हा...!
ई... ई... ई...!
हे भगवान!
ओह!
हैं! लाश ज़िंदा हो गई?
भागो! इसमें प्रेतात्मा घुस गई है, यह हम सबको मार डालेगी!
भागो!
भागो! भागो!
मुझसे बचकर कहां भाग रहे हो हत्यारो?
आ... ई... ई...!
मां...!
ओह! मां को बचाना होगा!
SAGAR RANA & SHIVA Scan

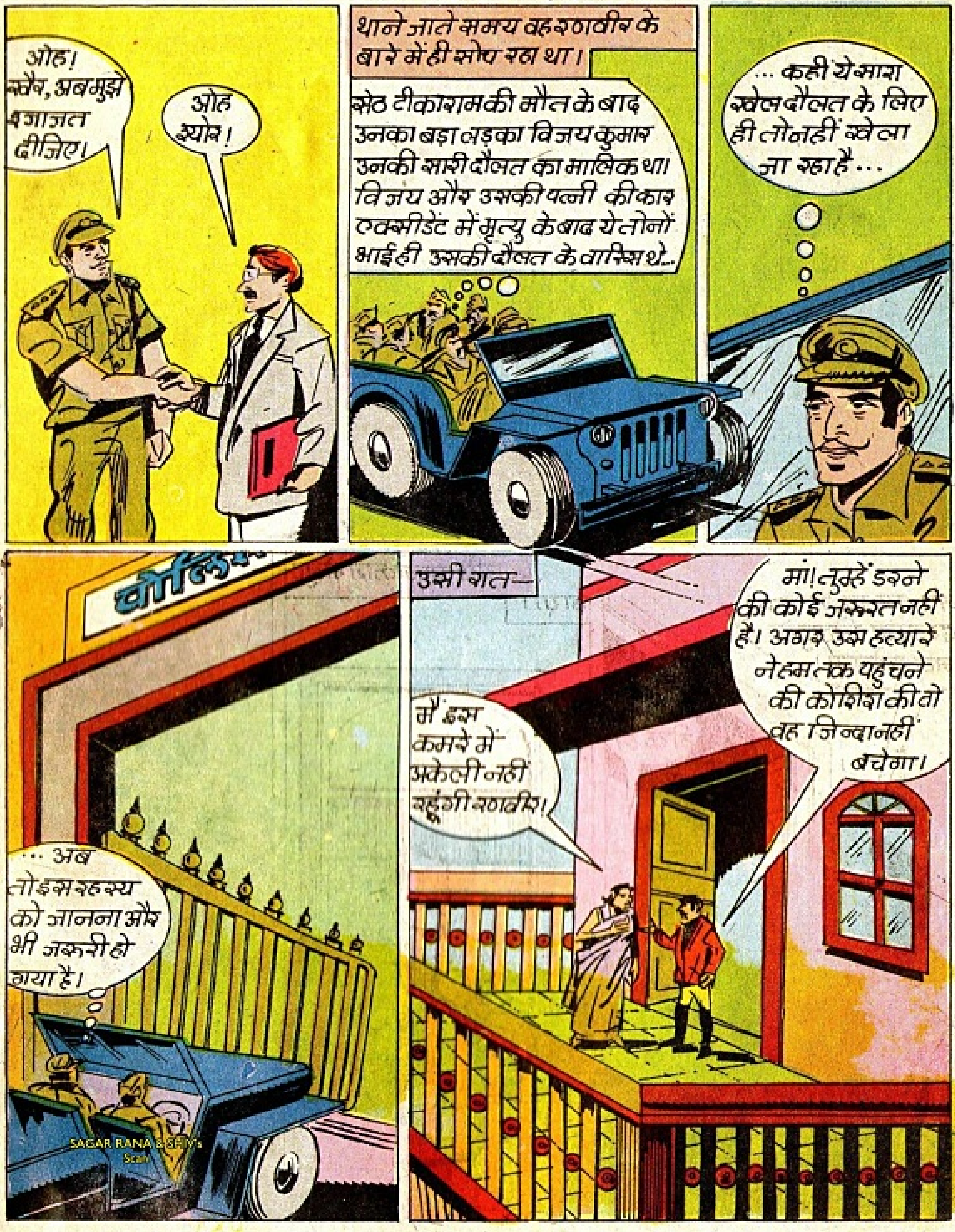

अगले ही क्षण—
मां, भागो!
तभी—
धड़ाक
धड़ाम
आह!
आह!
हा... हा... हा...!
बस किशन, अब तेरी जिंदगी खत्म।
खचाक
आsss...!
न... नहीं...!


उधर बाहर —
???
अरे, कोई तो मेरे लाल को बचाओ। हू...हू...हू...!
मां, क्या हुआ? यह सब लोग कहां भागे चले जा रहे हैं?
रणवीर! तू आ गया। किशन को बचा ले बेटा। वह उसे मार डालेगा।
क... कौन मार डालेगा मां?
व... वो लाश... वीरू की लाश जिन्दा हो गई है रणवीर!
क...क्या! लाश जिन्दा हो गई?
ये सब क्या चक्कर है? मुझे देखना चाहिए।
!!!
SAGAR RANA & SHIV's Scan


जैसे ही वह अन्दर पहुंचा—
हे भगवान्!
तभी कुछ ध्यान आते ही उसकी नजर पूरे हॉल में घूम गई।
ओह! वीरू की लाश कहां गई?
वीरू की लाश गायब है और किशन की हत्या हो गई है। क्या रहस्य है ये सब?
मुझे पुलिस को बुलाना चाहिए।
किर्र... किर्र... किर्र...
सम्बन्ध स्थापित होते ही—
हैलो! इन्स्पेक्टर आनंद!
कौन? मिस्टर रणवीर।


जी हां इन्स्पेक्टर साहब! मैं रणवीर बोल रहा हूं। आप तुरंत यहां पहुंचिए। मेरे छोटे भाई किशन की हत्या हो गई है।
व्हाट? मैं अभी आ रहा हूं।
कुछ देर बाद—
मिस्टर रणवीर! मुझे लगता है, आप लोग मुझसे कुछ छुपा रहे हैं।
य...यह आप क्या कह रहे हैं इंस्पेक्टर साहब?
सोच लीजिए मिस्टर रणवीर, अगर आप मुझसे कुछ छिपा रहे हैं तो आने वाले दिनों में ये आपके लिए ही घातक हो सकता है।
अ...आपको गलतफहमी हो गई है इन्स्पेक्टर साहब! मैं आपसे कुछ नहीं छिपा रहा हूं।
ओ.के. मिस्टर रणवीर! ऐज यू विश!
अच्छा, अब मैं चलता हूं, अगर कोई बात ध्यान आ जाए तो मुझे जरूर सूचित कीजिएगा।
जी, जरूर।


बड़ा कांइयां इन्स्पेक्टर है।
रणवीर का चौंकना यह बात सा ज़ाहिर करता है कि वह मुझसे अवश्य ही कुछ छिपा रहा है, लेकिन मैं रहस्य की तह तक पहुंचकर ही रहूंगा।
तभी —
ओह!
धड़
उफ!
माफ कीजिएगा वकील साहब! मैं ख्यालों में कुछ इस कदर खोया हुआ था कि...।
कोई बात नहीं इंस्पेक्टर!
लेकिन आप यहां...?
मैं किशन की मौत की खबर सुनकर आया था। न जाने किसकी नजर लग गयी है इस हवेली को। पिछले दो सालों में पांच मौतें हो चुकी हैं।


ओह! खैर, अब मुझे इजाज़त दीजिए।
ओह श्योर!
थाने जाते समय वह रणवीर के बारे में ही सोच रहा था।
सेठ टीकाराम की मौत के बाद उनका बड़ा लड़का विजय कुमार उनकी सारी दौलत का मालिक था। विजय और उसकी पत्नी की कार एक्सीडेंट में मृत्यु के बाद ये तीनों भाई ही उसकी दौलत के वारिस थे..
... कहीं ये सारा खेल दौलत के लिए ही तो नहीं खेला जा रहा है...
... अब तो इस रहस्य को जानना और भी जरूरी हो गया है।
उसी रात—
मैं इस कमरे में अकेली नहीं रहूंगी रणवीर।
मां! तुम्हें डरने की कोई जरूरत नहीं है। अगर उस हत्यारे ने हम तक पहुंचने की कोशिश की तो वह जिन्दा नहीं बचेगा।
SAGAR RANA & SHIV's Scan


लेकिन तुम मेरे कमरे में क्यों नहीं सो जाते?
नहीं मां। इस तरह हत्यारा होशियार हो जाएगा। वह भूलकर भी यहां कदम नहीं रखेगा और मेरा बना बनाया प्लान चौपट हो जायेगा।
ल... लेकिन...!
लेकिन-वेकिन कुछ नहीं मां। अब तुम अंदर जाओ और मुझे अपना काम करने दो।
एक बात को याद रखना मां। जबतक मैं ना कहूं, दरवाजा बिल्कुल मत खोलना।
ठ... ठीक है।
फिर रणवीर अपने काम में जुट गया।
SAGAR RANA & SHIVa Scan


अब मैं अपने जाल को चैक करके देखता हूं।
भक्क
गुड। अब हत्यारा बचकर नहीं जा सकता।
अब मुझे अपने कमरे के दरवाजे का भी ऐसा ही इंतजाम करना है।
रात के ठीक बारह बजे –
टन... टन...टन..
ओह! बारह बज चुके हैं और अभी तक कोई ऐसी घटना नहीं घटी है, जिसे संदिग्ध कहा जा सके।


लगता है, आज कोई घटना नहीं घटेगी।
तभी—
आ... ई... ई...!
ओह! यह तो शांतिदेवी के चीखने की आवाज है।
अगले पल—
शांतिदेवी की चीख सुनकर रणवीर भी उठ बैठा था।
ओह! लगता है, मां खतरे में है, मुझे देखना चाहिए।
उधर शांतिदेवी के कमरे में—
क... कौन हो तुम? अन्दर कैसे आए?
बेवकूफ औरत! आत्मा को दुनिया का कोई दरवाजा नहीं रोक सकता है।
SAGAR RANA & SHIV's


आत्मा!
हां, मैं उस विजय की आत्मा हूं, जिसे तुम सबने दौलत के लालच में मार डाला था। अब तू मरने के लिए तैयार हो जा बुढ़िया।
न... नहीं। त... तू मुझे नहीं मार सकता विजय। मैं सौतेली ही सही, आखिर हूं तो तेरी मां।
हा... हा... हा...! जिसके लिए दौलत ही सब कुछ हो, वो किसी की मां नहीं हो सकती।
न... नहीं। मुझे छोड़ दो। मैं मरना नहीं चाहती।
हा... हा... हा...!
आ... ई... ई...! बचाओ।
आ... ई... ई...!
छनाक!
SAGAR RANA & SHIV's


म...मुझे छोड़ दो विजय। मैं तुम्हारे हाथ जोड़ती हूं।
हा...हा...हा...! याद कर दुष्ट औरत। एक दिन इसी तरह मेरी रूपा भी गिड़गिड़ाई थी, क्या तुमने उसे छोड़ा था।
तभी—
धम्म
ओह! लगता है, रणवीर आ गया है। मुझे जल्दी काम निपटा लेना चाहिए।
रणवीर बेटे, मुझे इस दुष्ट विजय से बचाओ।
अगले पल—
खच्च
आ...ई...ई...!
धड़ाम
ओह!
ओह! आखिर हत्यारा अपना काम करने में सफल हो ही गया।
तभी—
इन्स्पेक्टर, तुम यहां? मां कहां है? क्या हुआ इसे?


मां... नहींऽऽऽ...!
मां, किस जालिम ने तुम्हारी जान लेली मां...?
यही समय है जब इससे कुछ उगलवाया जा सकता है।
तुम्हारी मां का खून विजय ने किया है मिस्टर रणवीर।
क... क्याऽऽऽ?
हां, मैंने खुद तुम्हारी मां को हत्यारे को विजय के नाम से पुकारते सुना है।
ल... लेकिन ये कैसे हो सकता है? विजय तो पिछले साल कार एक्सीडेंट में मर चुका है।
मेरे कान धोखा नहीं खा सकते। मैंने साफ सुना था, तुम्हारी मां ने हत्यारे को विजय के नाम से ही पुकारा था।
अचानक रणवीर के चेहरे पर दहशत नाच उठी।
क... कहीं वह विजय की आत्मा तो नहीं थी?
आत्मा!


हां, वह जरूर विजय की आत्मा ही थी, क्योंकि विजय और उसकी पत्नी रूपा को तो हम लोगों ने खुद खाई में धकेल दिया था।
क... क्या तुम लोगों ने विजय को मार डाला था?
ओह माई गॉड! मैं यह क्या बोल गया?
अगले पल उसने वहां से भागना चाहा, लेकिन—
नो...नो मिस्टर रणवीर, डोन्ट मूव। चुपचाप यहां बैठ जाओ और मुझे सारा किस्सा सुनाओ कि तुमने विजय का खून क्यों किया था?
जायदाद के लिए...
...मरते समय पिताजी सारी दौलत विजय के नाम कर गए थे...
पिताजी ने भी न जाने हमसे किस जन्म की दुश्मनी निकाली है। रोज-रोज पैसों की खातिर उस कमीने विजय के सामने हाथ फैलाना पड़ता है।
कमबख्त मरता भी तो नहीं। करोड़ों की दौलत पर सांप की तरह कुण्डली मारे बैठा है।
बस, कुछ दिन की बात और है मां! फिर न वह जिन्दा रहेगा और न उसकी पत्नी।
...और ठीक चार दिन बाद...
ये तुम हमें कहां लिए जा रहे हो रणवीर? ये सड़क तो कश्मीर नहीं जाती।


...तभी...
गाड़ी रोको वीरू।
अच्छा भइया।
य...ये तुमने गाड़ी क्यों रुकवा ली?
बाहर निकल, अभी बताता हूं।
...बाहर निकलकर...
मुझे इन कागजों पर तुम्हारे सिग्नेचर चाहिए विजय!
सिग्नेचर! क्या लिखा है इन कागजों में?
!!!
इनमें लिखा है कि तुम अपनी इच्छा से सारी जायदाद हमारे नाम कर रहे हो।
क्याSSS? मैं इन कागजों पर कभी सिग्नेचर नहीं करूंगा।
SAGAR RANA & SHIV's Scan


...उसे साइन न करते देख मैंने किशन को इशारा किया। अगले पल...
आ... ई...ई...!
सिग्नेचर तो तुझे करने ही होंगे विजय, वरना हम रूपा को जान से मार डालेंगे।
य...यह तुम क्या कर रहे हो रणवीर? छोड़ दो रूपा को।
अगर तूने कागजों पर सिग्नेचर करने से मना किया तो रूपा जिन्दा नहीं बचेगी।
स्वामीsss!
ठहरो, मैं सिग्नेचर करने के लिए तैयार हूं।
शाबाश! बड़ी जल्दी आ गया लाइन पर।
ये लो, मैंने सिग्नेचर कर दिये हैं, अब छोड़ दो रूपा को।
हां, अब ठीक है। छोड़ दे रूपा को।


... अगले पल ...
आ... ई... ई...!
आsss...!
रूपाsss!
हा...हा...हा...!
धड़ाक
आह!
कमीनो, तुमने मेरी रूपा को मार डाला। मैं तुझे जिंदा नहीं छोड़ूंगा।
वीरू, देख क्या रहे हो, खत्म कर दो साले को।
कमीने!
हाय!
आsss!

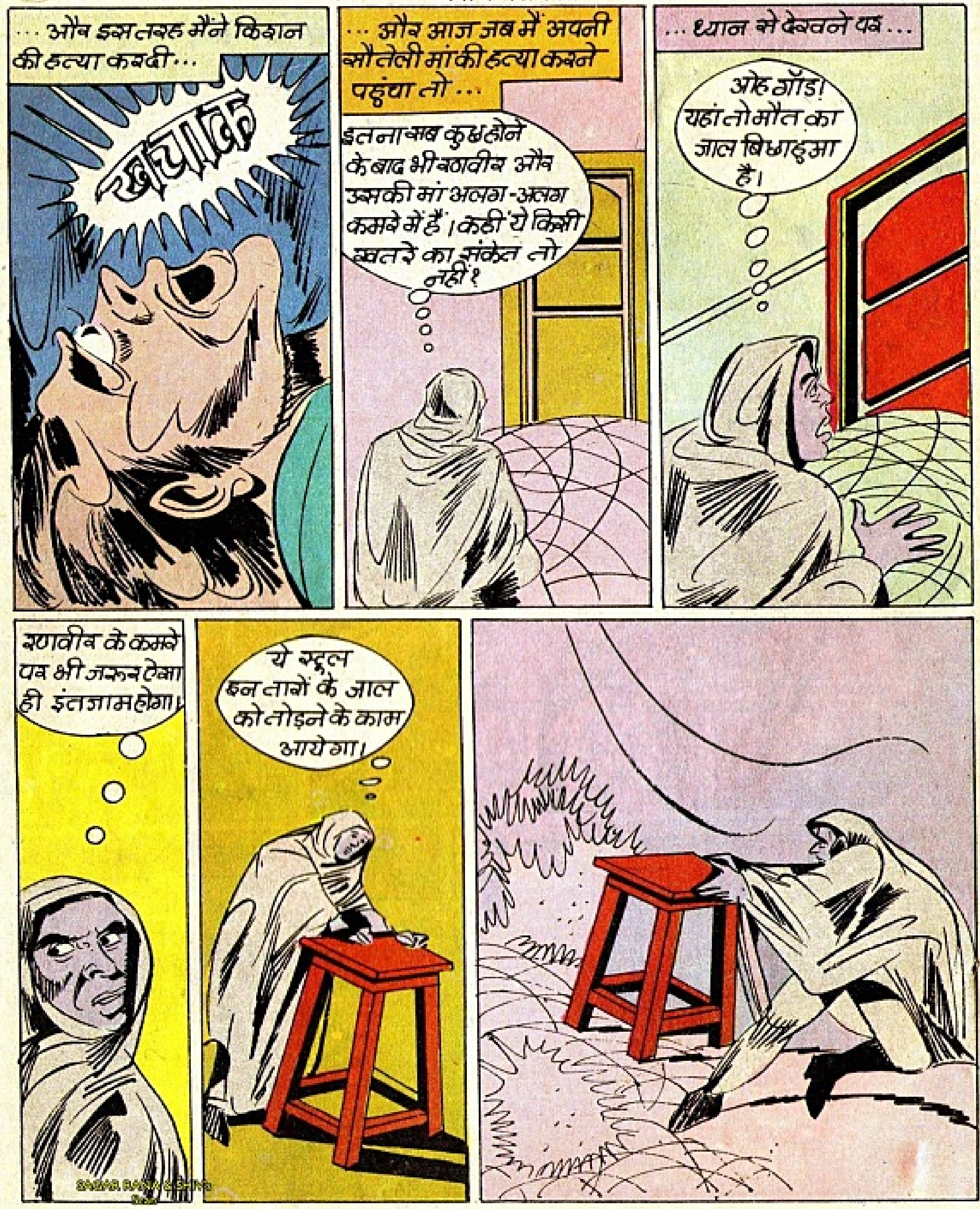

धड़ाक
जा बेटा, खाई में अब तेरी लाश भी किसी को ढूंढे नहीं मिलेगी।
आ sss...!
...इस तरह हमने विजय और उसकी पत्नी को मार डाला।
ओह! तो मेरा शक सही था...
...बहरहाल, जो भी हुआ हो। मैं अब कम से कम यह नहीं चाहता कि हत्यारा तुम्हारी भी हत्या कर डाले। मैं अब तुम्हें एक ऐसी जगह रखना चाहता हूं, जहां तक वह सात जन्म तक भी नहीं पहुंच सकता।
सच इन्स्पेक्टर! मुझे बताओ वह कौन-सी जगह है, मैं तुम्हें मालामाल कर दूंगा।
जेल।
क्याsss?
यस मिस्टर रणवीर! मैं तुम्हें विजय और उसकी पत्नी की हत्या के जुर्म में गिरफ्तार करता हूं।
!!!
चलो!

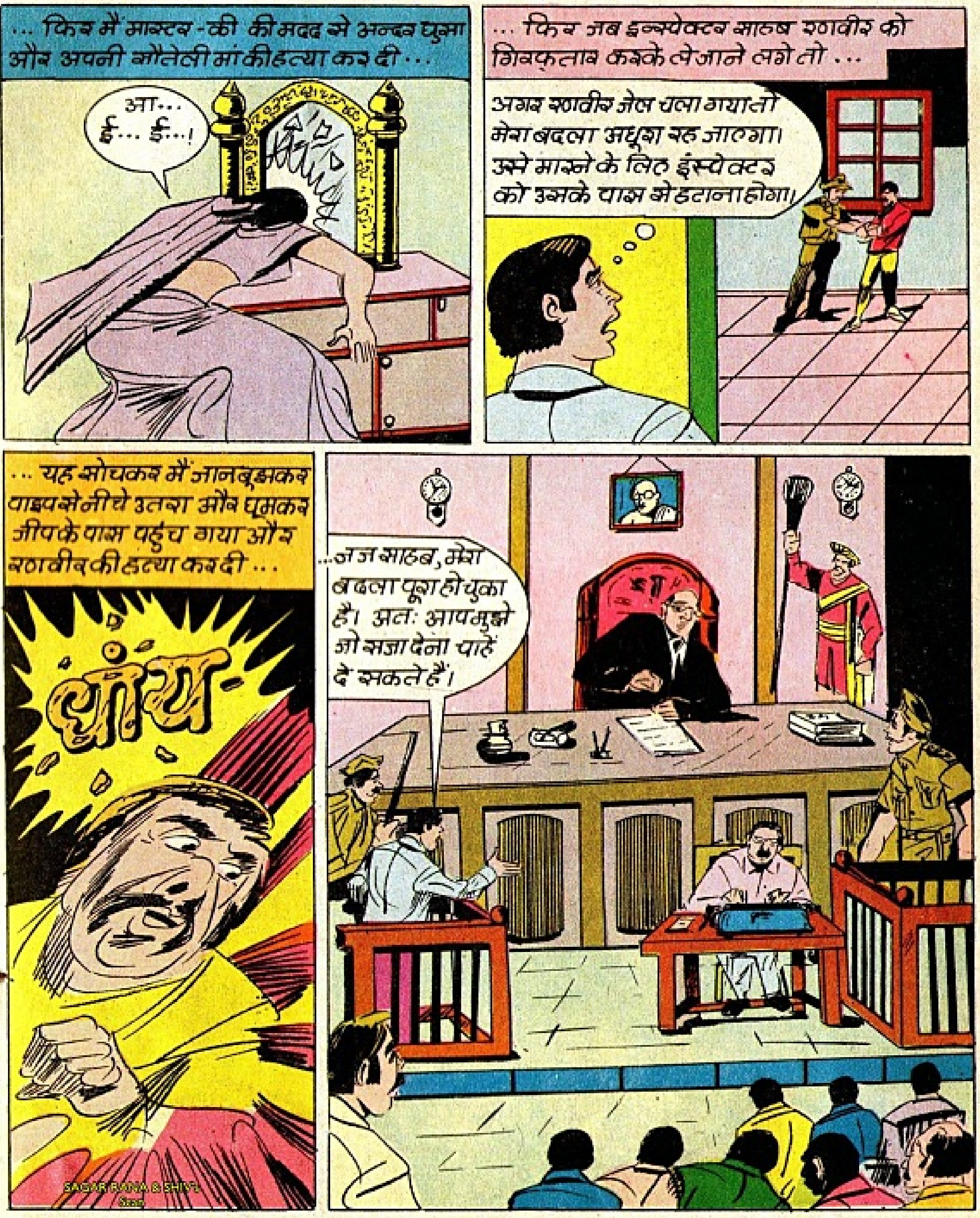


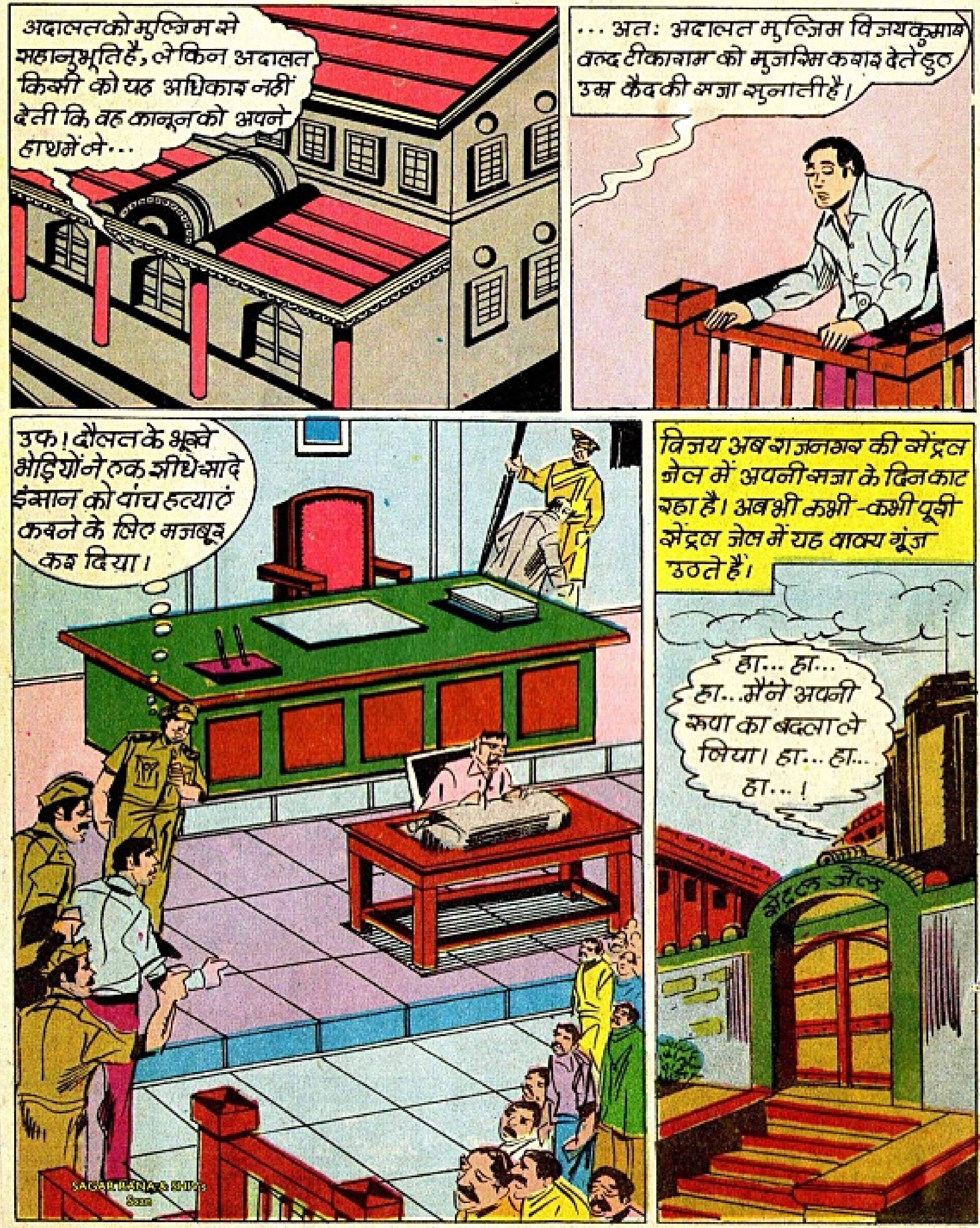
अभी इन्स्पेक्टर, रणवीर को लेकर जीप पर बैठा ही था कि –
ओह! वह रेन वाटर पाइप से कौन नीचे उतर रहा है?
अगले ही क्षण–
!!!
कहां गया? अभी तो यहीं था।
वह यहीं कहीं आस-पास ही होगा। इन झाड़ियों के पीछे देखता हूं।
उधर –
क्यों रणवीर? क्या हाल है?
व...विजय, तुम! म...मुझे माफ कर दो।
माफी ऊपर जाकर रूपा से मांगना रणवीर।
न... नहीं...!
धांय
आह!


देख रूपा, मैंने तेरे सारे हत्यारों को मार डाला। हा... हा... हा...!
तभी –
हैंड्स अप! तुम्हें गिरफ्तार किया जाता है।
हा...हा...हा...! अब मुझे अपनी गिरफ्तारी की कोई चिन्ता नहीं है इन्स्पेक्टर। मैंने अपना बदला ले लिया है। हा...हा...हा...!
और फिर अगले दिन अदालत में...
हां जज साहब, मैंने ही अपने सौतेले भाइयों और अपनी सौतेली मां की हत्या की है, लेकिन मेरी अपनी नज़र में हत्यारा मैं नहीं, वे लोग थे, जिन्होंने दौलत के लिए मेरी रूपा की हत्या की थी...
...उन्होंने तो मुझे भी मार ही डाला था, मगर मेरा सौभाग्य था कि नीचे गिरते समय मेरे हाथ में एक पेड़ की डाल आ गयी थी...
...फिर मैं मदद के लिए चिल्लाने लगा...
बचाओ sss!
बचाओ sss!
...मैंने झपटकर रस्सी पकड़ ली...
ओह! रस्सी!


... जैसे ही मैं खाई से बाहर आया...
आह!
ओह! यह तो बुरी तरह घायल है। इसे डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए।
... मेरे जख्म भरने और मुझे स्वस्थ होने में पूरे दस महीने लग गए, इस बीच मेरे सीने में लगी बदले की आग रह-रहकर धधक रही थी...
रूपा, मुझे कसम है तेरे प्यार की। मैं उन दौलत के भूखों को कुत्ते की मौत मारूंगा।
...हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने के बाद मैं इन लोगों की निगरानी पर लग गया...
... और एक रात जब वीरू कोठी में अकेला था, मैं एक ऐसे गुप्त रास्ते से हवेली में दाखिल हुआ, जिसके बारे में पिताजी ने सिर्फ मुझे बता रखा था...
...फिर मैंने वीरू को बालकनी से धकेलकर मार डाला...
...फिर मैंने ही सड़क पर बड़े-बड़े पत्थर रखकर एम्बुलेंस को रोका...
... और पोस्टमार्टम होकर वापस आती वीरू की लाश को नीचे फेंककर...
... खुद कफन ओढ़कर लाश बनकर लेट गया...
एक-एक को तड़पा-तड़पाकर मारूंगा।


...और इस तरह मैंने किशन की हत्या करदी...
खचाक
...और आज जब मैं अपनी सौतेली मां की हत्या करने पहुंचा तो...
इतना सब कुछ होने के बाद भी रणवीर और उसकी मां अलग-अलग कमरे में हैं। कहीं ये किसी खतरे का संकेत तो नहीं?
...ध्यान से देखने पर...
ओह गॉड! यहां तो मौत का जाल बिछा हुआ है।
रणवीर के कमरे पर भी जरूर ऐसा ही इंतजाम होगा।
ये स्टूल इन तारों के जाल को तोड़ने के काम आयेगा।


... फिर मैं मास्टर-की की मदद से अन्दर घुसा और अपनी सौतेली मां की हत्या कर दी ...
आ... ई... ई...!
... फिर जब इन्स्पेक्टर साहब रणवीर को गिरफ्तार करके ले जाने लगे तो ...
अगर रणवीर जेल चला गया तो मेरा बदला अधूरा रह जाएगा। उसे मारने के लिए इंस्पेक्टर को उसके पास से हटाना होगा।
... यह सोचकर मैं जानबूझकर वाइपर से नीचे उतरा और घूमकर जीप के पास पहुंच गया और रणवीर की हत्या कर दी ...
धांय
...जज साहब, मेरा बदला पूरा हो चुका है। अतः आप मुझे जो सजा देना चाहें दे सकते हैं।


अदालत को मुल्जिम से सहानुभूति है, लेकिन अदालत किसी को यह अधिकार नहीं देती कि वह कानून को अपने हाथ में ले...
...अतः अदालत मुल्जिम विजयकुमार वल्द टीकाराम को मुजरिम करार देते हुए उम्र कैद की सज़ा सुनाती है।
उफ! दौलत के भूखे भेड़ियों ने एक सीधे-सादे इंसान को पांच हत्याएं करने के लिए मजबूर कर दिया।
विजय अब राजनगर की सेंट्रल जेल में अपनी सज़ा के दिन काट रहा है। अब भी कभी-कभी पूरी सेंट्रल जेल में यह वाक्य गूंज उठते हैं।
हा... हा... हा... मैंने अपनी रूपा का बदला ले लिया। हा... हा... हा...!
सेंट्रल जेल
SAGAR RANA & SHIVs Scan

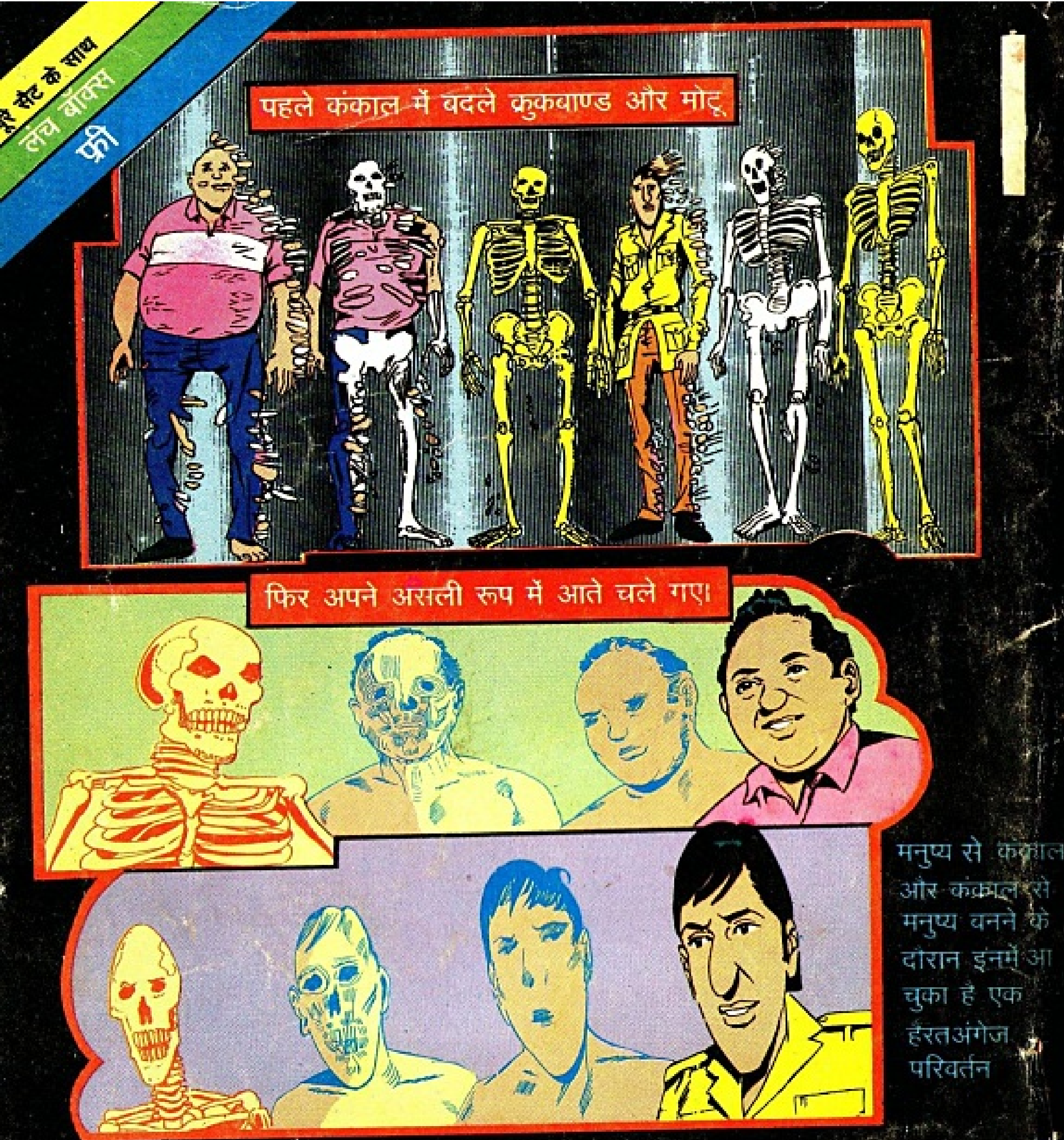
समाप्त.


ये दिव्यास्त्र, जो अब से तिकुदे के नाम से जाना जायेगा...
... अब तुम्हारे जिस्म में विलीन हो जायेगा।
ओह ! दिव्यास्त्र मेरे जिस्म में समा रहा है।
कड़ड़ कड़ाक
मानवता की भलाई के लिए अब जब भी तुम "तिकुदे" पुकारोगे, तिकुदे प्रकट हो जायेगा।
तिकुदेऽऽऽ
तिकुदे त्रिकालदेव के हाथ में सूर्य की तरह जगमगाने लगा था



कहानी अजगर लोक में मची इस भीषण तबाही की...
उफ!
आई... ई... ई...
हा... हा... हा... अजगर लोक पर अब राज होगा संक्राती का
आह!
सूं सूं
सूं सं
खच्च
आह!
जिसे रोकने के लिए अजगर को मौत से दो-दो नहीं आठ-आठ हाथ करने पड़े।
आई ई ई
उफ!
भड़ाक
ठाक
हाय!
आह!
उफ!
क्या अजगर संक्राती को तबाही मचाने से रोक पाया?
अजगर सीरीज का बूलखाता कॉमिक्स
प्रलयंकारी अजगर


अब मैं इसे एक पल के लिये भी ज़िंदा नहीं छोड़ूंगा!
कम ऑन संदीप !
ओह ! तूफान अंकल !
आखिर खत्म हो ही गया मरकरी मैन ! पारे जैसी शक्ति का स्वामी था वह, लेकिन था कौन?
दूसरे ही क्षण—
धड़ाम
तभी—
अंकल, वह देखिये !
ओह गॉड !
वह तो फिर अपने वास्तविक रूप में आ रहा है।



लेकिन यह परिवर्तन क्या है? यह आपको हम नहीं बताएंगे।
आपको खुद ही पता लगाना होगा क्रुकबाण्ड सीरीज का नया कॉमिक्स "सुपर क्रुकबाण्ड" पढ़कर

सुपर क्रुकबाण्ड